भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो: तीसरे संस्करण का कर्टेन रेजर, निर्यात-आधारित विनिर्माण पर जोर

समाचार-संदर्भ: 10 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB)

स्रोत-सावधानी: निर्यात, क्षेत्रीय वृद्धि और त्योहारी कार-बिक्री के आँकड़े मंत्री के कथन के रूप में दिए गए हैं। रिलीज में थीम को लेकर दो अलग वाक्य हैं: भाषण में "Beyond Boundaries", जबकि 2027 के आयोजन-विवरण में "Smarter Mobility for a Better Tomorrow"। इसलिए यहाँ थीम को प्रिलिम्स का निर्विवाद तथ्य नहीं बनाया गया है।

खबरों में क्यों

केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के तीसरे संस्करण के कर्टेन रेजर (पूर्वाभास कार्यक्रम) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तीसरा संस्करण दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऐसा एक्सपो होगा और उद्योग से वैश्विक बाजारों और निर्यात के अवसर तलाशने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

- आयोजन: भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का तीसरा संस्करण 4-9 फरवरी 2027 को भारत मंडपम और यशोभूमि, दिल्ली में प्रस्तावित है; मंत्री के अनुसार यह आकार और आगंतुकों दोनों में दुनिया का सबसे बड़ा मोबिलिटी एक्सपो बनने की क्षमता रखता है।
- लक्ष्य: मंत्री ने अपेक्षित 10 लाख आगंतुकों में से कम से कम 25,000 अंतर्राष्ट्रीय आगंतुक आकर्षित करने का लक्ष्य रखा; प्रदर्शनी के पहले दो दिन कारोबार, कारोबारी लॉन्च और नए उत्पाद लॉन्च के लिए आरक्षित।

- मंच का विकास: अलग-अलग समय और स्थानों पर होने वाली मोबिलिटी क्षेत्र की प्रदर्शनियों को एक छत के नीचे लाना भारत मंडपम और यशोभूमि जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शनी केंद्रों से संभव हुआ; मंत्री के अनुसार यह 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' उपागम का उदाहरण है।
- क्षेत्र: इस्पात, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, दोपहिया, तिपहिया, चौपहिया, वाणिज्यिक व यात्री वाहन, निर्माण उपकरण और टायर - संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला एक मंच पर।
- निर्यात पर मंत्री के कथन: इस वर्ष 1 ट्रिलियन डॉलर (10 खरब डॉलर) निर्यात का लक्ष्य 'पवित्र' है और देश इसे पाने की दिशा में है; सितंबर तक लगभग 480 अरब डॉलर (वार्षिक लक्ष्य का लगभग 48%) निर्यात हो चुका है; इंजीनियरिंग क्षेत्र में लगभग 22% वृद्धि दर्ज हुई।
- FTA संदर्भ: मंत्री के अनुसार यूरोपीय संघ (27 देश) मार्च-अप्रैल तक भारतीय कारोबारों के लिए शून्य शुल्क पर खुलने की उम्मीद है; 7-8 अन्य देशों के साथ भी वार्ता जारी है। (ये मंत्री के कथन हैं; समझौतों की अंतिम शर्तें औपचारिक घोषणाओं से ही सुनिश्चित होंगी।)
- घरेलू बाजार का पैमाना: मंत्री के अनुसार नवरात्रि में लगभग 10 लाख और धनतेरस के दो दिनों में लगभग 70,000 कारें बिकीं।
- संदेश: उद्योग घरेलू बाजार के साथ वैश्विक बाजार जोड़कर स्केल अर्थतंत्र (इकॉनॉमीज ऑफ स्केल) हासिल करे; भारत में उत्पादन कर वैश्विक निर्यात करे।

मुख्य परीक्षा (Mains) हेतु

प्रश्न: "भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो जैसे मंच भारत की निर्यात-आधारित विनिर्माण रणनीति के उपकरण हैं।" टिप्पणी कीजिए।

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: भारत विनिर्माण को GDP में बढ़ावा देने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है। बड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी मंच इस रणनीति के दृश्य अंग हैं।

मुख्य भाग में:

- मूल्य श्रृंखला का एकीकरण: इस्पात से इलेक्ट्रॉनिक्स और टायर तक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र एक स्थान पर - अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के लिए 'एक ही दौरे में सोर्सिंग' संभव, जिससे भारत की आकर्षकता बढ़ती है।
- स्केल का लाभ: विशाल घरेलू बाजार (मंत्री के कथन के अनुसार नवरात्रि में लगभग 10 लाख कारों की बिक्री) वैश्विक निर्माताओं को भारत में उत्पादन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करता है; इकॉनॉमीज ऑफ स्केल से मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता मिलती है।
- निर्यात गति: मंत्री ने इंजीनियरिंग क्षेत्र में लगभग 22% वृद्धि और 1 ट्रिलियन डॉलर (10 खरब डॉलर) के निर्यात लक्ष्य की ओर प्रगति का उल्लेख किया। रिलीज में इस वृद्धि की तुलना-अवधि स्पष्ट नहीं है; इसे स्वतंत्र रूप से सत्यापित व्यापार-आँकड़ा न मानें।
- संस्थागत सहयोग: 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' उपागम - विभागों, मंत्रालयों और राज्यों के बीच सिलो तोड़ना - बड़े आयोजनों की सफलता की कुंजी है।
- चुनौतियां: गुणवत्ता मानकों का निरंतर पालन, रसद लागत, कौशल अंतराल, और FTA वार्ताओं में हितों का संतुलन; केवल प्रदर्शनी नहीं, पॉलिसी निरंतरता भी आवश्यक।

निष्कर्ष में: ऐसे मंच 'मेक इन इंडिया' को 'मेक फॉर द वर्ल्ड' में बदलने की दिशा में सहायक हैं; सफलता का वास्तविक मापदंड इनसे बनने वाले दीर्घकालिक निर्यात और निवेश संबंध होंगे।

आगे की राह

तीसरे संस्करण में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी (25,000 विदेशी आगंतुकों का लक्ष्य), कारोबारी समझौतों के आंकड़े और EU के साथ FTA वार्ता की प्रगति देखने योग्य होगी। घोषणाओं का वास्तविक रूपांतरण निवेश प्रवाह से ही परखा जाएगा।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1:

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसके तीसरे संस्करण का कर्टेन रेजर नई दिल्ली में हुआ

II. इसका संबंध केवल दोपहिया वाहन उद्योग से है

III. इसका तीसरा संस्करण 4-9 फरवरी 2027 को दिल्ली के भारत मंडपम और यशोभूमि में प्रस्तावित है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर:(c)

- कथन I सही है: तीसरे संस्करण का कर्टेन रेजर नई दिल्ली में आयोजित हुआ।
- कथन II गलत है: इसमें दोपहिया, तिपहिया, चौपहिया, वाणिज्यिक वाहन, निर्माण उपकरण, टायर, इस्पात, रसायन और इलेक्ट्रॉनिक्स - संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य शृंखला शामिल है।
- कथन III सही है: PIB की आयोजन-संबंधी जानकारी के अनुसार तीसरा संस्करण 4-9 फरवरी 2027 को भारत मंडपम और यशोभूमि में प्रस्तावित है।

प्रश्न 2:

PIB रिलीज में वाणिज्य और उद्योग मंत्री द्वारा व्यक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

I. सितंबर तक भारत का निर्यात लगभग 480 अरब डॉलर रहा

II. इंजीनियरिंग क्षेत्र में लगभग 22% वृद्धि दर्ज हुई

III. एक्सपो के पहले दो दिन आम जनता के लिए आरक्षित हैं

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर:(a)

- कथन I सही है: मंत्री के अनुसार सितंबर तक लगभग 480 अरब डॉलर निर्यात (वार्षिक लक्ष्य का लगभग 48%) हुआ।
- कथन II सही है: मंत्री के अनुसार इंजीनियरिंग क्षेत्र में लगभग 22% की वृद्धि दर्ज हुई।
- कथन III गलत है: पहले दो दिन कारोबार, कारोबारी लॉन्च और नए उत्पाद लॉन्च के लिए आरक्षित हैं।

पाठ्यक्रम मानचित्रण: प्रिलिम्स: अर्थव्यवस्था - निर्यात, विनिर्माण, व्यापार समझौते मुख्य परीक्षा: GS-III - अर्थव्यवस्था (औद्योगिक नीति, निर्यात-आधारित वृद्धि, निवेश)

संबंधित अध्ययन

- चिकित्सा उपकरण PLI: असेंबली से घटक-निर्माण की ओर
- खनिज नीलामी का नौवां चरण: 20 क्रिटिकल खनिज ब्लॉक, साथ में एक्सप्लोरेशन लाइसेंस का तीसरा चरण

स्रोत

PIB - भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो कर्टेन रेजर, 10 नवंबर 2026